भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4037

मंगलवार, 17 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप

4037. डॉ. शर्मिला सरकारः

श्रीमती महुआ मोइत्राः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से आरंभ किए गए मान्यता प्राप्त महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप की संख्या कितनी है और उनका वर्ष-वार तथा राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2014 से बंद हो चुके महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप की संख्या कितनी है और उनका वर्ष-वार तथा राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्ष 2014 से स्टार्टअप में निवेश की गई सरकारी निधि का वर्ष-वार, योजना-वार और निधि-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्ष 2014 से महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप में निवेश की गई सरकारी निधि का वर्ष-वार, योजना-वार और निधि-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में से उन स्टार्टअप की संख्या कितनी है जो बंद हो गए हैं और जिन्होंने फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स (एफएएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना (एसआईएसएफएस) और स्टार्टअप हेतु क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसएस) के अंतर्गत सहायता प्राप्त की थी और उक्त स्टार्टअप का योजना-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): स्टार्टअप इंडिया पहल को नवप्रयोग, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और देश के स्टार्टअप ईकोसिस्टम में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक मज़बूत ईकोसिस्टम बनाने के उद्देश्य से 16 जनवरी, 2016 को शुरू किया गया था।

,जनवरी 312026 की स्थिति के अनुसार ,कुल 2,12, कंपनियों को 283 उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कुल कंपनियों में

से 1,02,054 कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक/भागीदार हैं। कम से कम एक महिला निदेशक/भागीदार वाले स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार और वर्ष-वार विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ख): 31 जनवरी 2026 तक, डीपीआईआईटी द्वारा कुल 2,12,283 कंपनियों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। कंपनियों की स्थिति (संचालित,विघटित, बंद आदि) के संबंध में डेटा कारपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) द्वारा संचयी आधार पर रखा जाता है। एमसीए के अनुसार, 6,789 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को बंद (अर्थात, विघटित/बंद) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। बंद (अर्थात, विघटित/बंद) के रूप में वर्गीकृत कंपनियों की कुल संख्या में से, 2,950 में कम से कम एक महिला निदेशक/भागीदार है। इसका राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग) और (घ): स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, सरकार तीन प्रमुख स्कीमों को कार्यान्वित कर रही है, नामतः स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) और स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम (सीजीएसएस) ताकि स्टार्टअप्स को उनके व्यवसाय चक्र के विभिन्न चरणों में सभी क्षेत्रों के लिए सहायता प्रदान की जा सके।

एफएफएस को उद्यम पूंजी निवेश की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए स्थापित किया गया है और यह भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा (सिडबी) संचालित है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड पंजीकृत -(सेबी) को पूंजी (एआईएफ) वैकल्पिक निवेश निधियों प्रदान करता है, जो आगे स्टार्टअप्स में निवेश करती हैं। ,जनवरी 312026 की स्थिति के अनुसारइस , स्कीम के तहत सहायता प्राप्त एआईएफ ने चुने हुए स्टार्टअप्स मेंलगभग 25,करोड़ रुपए निवेश किए 859 हैं। इसके अलावा, वर्ष 2020 के बाद से 31 जनवरी, 2026 तक स्कीम के तहत लगभग 2,995 करोड़ रुपए एआईएफ द्वारा महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप में निवेश किए गए हैं। इसका वर्ष-वार विवरण **अनुबंध-III** में दिया गया है।

एसआईएसएफएस इन्क्यूबेटरों के माध्यम से प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एसआईएफएस 1अप्रैल, से लागू है। 2021 जनवरी 31, तक स्कीम के तहत चुने गए इन्क्यूबेटर्स 2026ने चयनित स्टार्टअप्स के लिए लगभगकरोड़ रुपए का वित्तपोषण अनुमोदित किया 592

गया जिसमें से लगभग 294 करोड़ रुपए का वित्तपोषण महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स के लिए अनुमोदित किया गया है। वर्ष-वार विवरण **अनुबंध-IV** में दिया गया है।

सीजीएसएस कोपात्र वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्टार्टअप्स को ऋण , प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए कार्यान्वित किया गया है। सीजीएसएस लिमिटेड द्वारा (एनसीजीटीसी) राष्ट्रीय ऋण गारंटी न्यासी कंपनीसंचालित है और अप्रैल 1, जनवरी 31 से प्रचालन में है। 2023, ,तक 2026 स्टार्टअप उधारकर्ताओं को लगभग 925 करोड़ रुपए के ऋण की गारंटी प्रदान की गई, जिनमें से लगभग 39 करोड़ रुपए के ऋण की गांरटी महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को प्रदान की गई है। वर्ष-वार विवरण **अनुबंध-V** में दिया गया है।

(ङ): स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम और स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम (एसआईएसएफएस) (सीजीएसएस) के तहत एमसीए के अनुसार बंद (अर्थात, विघटित/बंद) के रूप में वर्गीकृत स्टार्टअप्स की कुल संख्या और चयनित स्टार्टअप्स की कुल संख्या निम्नानुसार हैं:

स्कीम	**31 जनवरी, 2026 तक स्कीम के तहत सहायता के लिए चयनित स्टार्टअप्स की संख्या**	**ऐसे सहायता प्राप्त स्टार्टअप्स, जो एमसीए के अनुसार बंद (अर्थात, विघटित/बंद किए गए) के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं, की संख्या**
एफएफएस	1,382	17
एसआईएसएफएस	3,311	26
सीजीएसएस	281	1

*****

अनुबंध-I

दिनांक 17.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4037 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

31 जनवरी, 2026 तक स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार और वर्ष-वार संख्या, जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक/भागीदार हैं, निम्नानुसार हैं:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**2017**	**2018**	**2019**	**2020**	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**	**2025**	**2026**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	1	4	2	5	4	3	10	8	2
आंध्र प्रदेश	37	85	92	102	137	173	294	313	670	59
अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	4	5	8	5	16	-
असम	8	28	30	53	83	122	168	170	216	24
बिहार	23	53	59	114	183	257	384	417	600	63
चंडीगढ़	8	10	21	27	38	36	64	49	57	4
छत्तीसगढ़	18	55	69	54	82	91	148	218	230	25
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	1		1	3	4	7	6	12	12	1
दिल्ली	240	568	671	834	1197	1283	1607	1471	1911	166
गोवा	13	24	22	27	41	49	40	64	86	5
गुजरात	108	217	313	365	800	944	1431	1568	1845	184
हरियाणा	98	233	360	375	532	674	893	888	1250	116
हिमाचल प्रदेश	1	6	14	12	23	56	65	74	83	12
जम्मू और कश्मीर	2	14	12	23	40	71	82	111	150	20
झारखंड	16	35	37	85	89	108	172	151	207	22
कर्नाटक	298	536	807	757	1065	1242	1500	1629	2219	196
केरल	49	112	267	249	398	431	534	506	736	81
लद्दाख	-	-	-	1	-	1	3	2	1	-
लक्षद्वीप	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
मध्य प्रदेश	32	123	150	173	264	421	622	616	846	121
महाराष्ट्र	388	839	1110	1305	1937	2412	2913	3043	4043	386

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**2017**	**2018**	**2019**	**2020**	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**	**2025**	**2026**
मणिपुर	3	1	1	5	21	13	7	22	42	4
मेघालय	-	1	5	-	5	5	6	11	12	-
मिजोरम	-	-	-	1	1	3	6	6	6	-
नागालैंड	1	1	1	3	4	3	13	21	15	-
ओडिशा	40	80	90	126	196	230	329	296	409	40
पुदुच्चेरी	2	7	6	3	7	11	21	13	28	5
पंजाब	9	35	54	72	125	147	226	219	268	31
राजस्थान	53	114	192	205	301	458	691	657	906	87
सिक्किम	-	-	-	1	-	2	1	-	3	-
तमिलनाडु	105	221	318	378	591	922	1333	1341	1674	159
तेलंगाना	134	232	306	390	520	723	919	933	1619	146
त्रिपुरा	-	1	4	10	4	13	8	20	17	4
उत्तर प्रदेश	174	364	449	662	1065	1303	1788	1842	2525	301
उत्तराखंड	11	27	57	53	77	121	125	131	204	16
पश्चिम बंगाल	72	142	158	199	360	527	622	585	804	83
कुल	**1945**	**4165**	**5680**	**6670**	**10199**	**12868**	**17032**	**17414**	**23718**	**2363**

******

अनुबंध-II

दिनांक 17.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4037 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

एमसीए के अनुसार कम से कम एक महिला निदेशक/भागीदार वाले बंद (यानी, विघटित/बंद) के रूप में वर्गीकृत कंपनियों की कुल संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण निम्नानुसार है:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कम से कम एक महिला निदेशक/भागीदार वाले बंद (अर्थात, विघटित/बंद) के रूप में वर्गीकृत कंपनियों की संख्या
आंध्र प्रदेश	48
असम	25
बिहार	36
चंडीगढ़	12
छत्तीसगढ़	28
दिल्ली	324
गोवा	14
गुजरात	156
हरियाणा	133
हिमाचल प्रदेश	7
जम्मू और कश्मीर	16
झारखंड	24
कर्नाटक	384
केरल	97
मध्य प्रदेश	81
महाराष्ट्र	586
मणिपुर	4
मेघालय	1
मिजोरम	1
नागालैंड	2
ओडिशा	49
पुदुच्चेरी	6
पंजाब	29
राजस्थान	95

तमिलनाडु	173
तेलंगाना	176
त्रिपुरा	5
उत्तर प्रदेश	303
उत्तराखंड	19
पश्चिम बंगाल	116
कुल	2950

*****

अनुबंध-III

दिनांक 17.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4037 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

31 जनवरी, 2026 तक एफएफएस के तहत सहायता प्राप्त एआईएफ द्वारा स्टार्टअप्स में निवेश की गई निधि का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**स्टार्टअप्स में चयनित एआईएफ द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ रुपए में)**	**महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप में चयनित एआईएफ द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ रुपए में)***
2017	343.52	-
2018	676.84	-
2019	1623.56	-
2020	2066.89	333.96
2021	3491.10	576.14
2022	5973.40	430.72
2023	3292.10	57.24
2024	3809.20	616.82
2025	4271.60	914.47
2026	311.40	65.79

* नोट: महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप में निवेश संबंधी डेटा वर्ष 2020 से उपलब्ध है।

*****

अनुबंध-IV

दिनांक 17.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4037 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

31 जनवरी, 2026 तक एसआईएसएफएस के तहत चुने गए इन्क्यूबेटरों द्वारा स्टार्टअप्स को स्वीकृत निधि का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**चयनित इन्क्यूबेटरों द्वारा स्टार्टअप्स को स्वीकृत राशि (करोड़ रुपए में)**	**चयनित इन्क्यूबेटरों द्वारा महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को स्वीकृत राशि (करोड़ रुपए में)**
2021	27.59	14.05
2022	111.78	53.74
2023	175.98	87.43
2024	165.83	84.22
2025	110.04	54.52
2026	0.9	0.79

*****

अनुबंध-V

दिनांक 17.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4037 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

31 जनवरी, 2026 तक सीजीएसएस के तहत स्टार्टअप्स को गारंटीकृत ऋणों का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	स्टार्टअप्स को गारंटीकृत ऋण की राशि (करोड़ रुपए में)	महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को गारंटीकृत ऋण की राशि (करोड़ रुपए में)
2023	220.78	13.6
2024	381.08	13.44
2025	206.32	10.18
2026	117.72	2

*****